कवायद. कोविड-19 में विधानसभा चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण, प्रशासन तैयारी में जुटा

34 फीसदी बढ़े बूथ, डाटाबेस हो रहा अपडेट

प्रतिनिधि ▷ औरंगाबाद शहर

कोविड-19 में विधानसभा चुनाव कराने को चुनौतीपूर्ण मानते हुए प्रशासन तैयारी में जुटा है. सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं. वैसे इस विधानसभा चुनाव में पिछले चुनावों की तुलना में लगभग चार हजार अधिक कर्मी लगाये जायेंगे. इसके लिए कर्मियों के डेटा बेस का अद्यतनीकरण किया जा रहा है. दरअसल, सोशल डिस्टैंसिंग का पालन कराने व भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से मतदान केंद्र भी बढ़ाए गये हैं. पिछले चुनाव की अपेक्षा जिले में 34 प्रतिशत मतदान केंद्रों की संख्या में बढ़ी है. जाहिर है इस अनुसार अधिक कर्मियों की जरूरत भी होगी. पिछले लोकसभा चुनाव में जिले में 1723 मतदान केंद्र थे, लेकिन वर्तमान में कोरोना के संक्रमण को देखते हुए इससे बचाव के लिए 650 सहायक केंद्र बनाये गये हैं. अब जिले में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 2573 हो गयी है. इस मतदान केंद्रों के लिए मतदान दल में सेक्टर पदाधिकारी, माइक्रो ऑब्जॉर्बर, पीठासीन अधिकारी समेत अन्य कर्मियों की जरूरत होगी. पिछले लोकसभा चुनाव में लगभग 12 हजार कर्मी लगाये गये थे. इस बार विधानसभा चुनाव में तकरीबन 14 हजार कर्मियों को लगाया जायेगा. इसी को लेकर कार्मिक कोषांग द्वारा कर्मियों का डाटाबेस अद्यतनीकरण किया जा रहा है. अद्यतनीकरण कार्य में डीआरसीसी के कर्मी व शिक्षक समेत अन्य कर्मियों को लगाया गया है, जो दो शिफ्ट में काम कर रहे हैं. कार्मिक कोषांग के वरीय प्रभारी पदाधिकारी सह एडीएम आशीष कुमार सिन्हा, नोडल पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा व डीआईओ प्रशांत कुमार द्वारा देखरेख की जा रही है. वहीं चुनाव की संपूर्ण तैयारी की सतत निगरानी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम सौरभ जोरवाल द्वारा की जा रही है.

डाटाबेस को अपडेट करने में जुटे कर्मी.

➲ बूथों की संख्या बढ़ने से अधिक कर्मियों की होगी जरूरत

15 अगस्त तक डाटाबेस तैयार करने का लक्ष्य

कर्मियों के डाटाबेस को अद्यतनीकरण करते हुए 15 अगस्त तक इसे तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है. इसी लक्ष्य के अनुरूप अद्यतनीकरण में लगे कर्मी कार्य कर रहे है. उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल ने बताया कि कर्मियों का सत्यापन के साथ एलिकॉम सॉफ्टवेयर के माध्यम से डाटाबेस अपडेट किया जा रहा है. बूथों की तादाद बढ़ जाने के कारण विधानसभा चुनाव में कर्मी अधिक लगाये जायेंगे. यहां 17 से 18 हजार कर्मी उपलब्ध है. 34 प्रतिशत बूथों की संख्या में इजाफा होने के कारण इसी अनुपात में कर्मियों की तादाद भी बढ़ायी जायेगी.

सुरक्षा का रखा जा रहा ख्याल

समय पर ही चुनाव होने की संभावनाओं के मद्देनजर प्रशासनिक तैयारी जोरों पर है. निर्वाचन शाखा द्वारा अनवरत कार्य किया जा रहा है. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम सौरभ जोरवाल भी लगातार नजर बनाये हुए हैं. उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद इकबाल ने बताया किकोविड-19 से सुरक्षा का ख्याल रखते हुए कार्य कराया जा रहा है. सोशल डिस्टैंसिंग का अनुपालन व मास्क का उपयोग सुनिश्चित कराया जा रहा है.

महिला कर्मियों की भी लगेगी ड्यूटी: विधानसभा चुनाव में महिला कर्मियों को भी लगाया जायेगा. वर्तमान में जिन कर्मियों के डेटाबेस को अद्यतनीकरण किया जा रहा है, उसमें महिला कर्मी भी शामिल हैं. पूर्व के चुनावों में महिला कर्मियों की ड्यूटी सिर्फ महिलाओं के लिए बनाये गये खास मतदान केंद्र पर ही होती थी. लेकिन, इस बार इसमें बदलाव करते हुए सामान्य बूथों पर भी महिला कर्मियों को तैनात किया जायेगा.